EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पद (रैदास)

कक्षा - नवी

विषय – हिंदी
पाठ : १
पाठ का नाम : पद (रैदास)
PPT- 01

लेखक परिचय

गुरू रविदास (रैदास) का जन्म काशी में माघ पूर्णिमा दिन रविवार को संवत 1482 को हुआ था।। दुखियों के कल्याण हित प्रगटे श्री रविदास। उनके पिता राहू तथा माता का नाम करमा था। उनकी पत्नी का नाम लोना बताया जाता है। रैदास ने साधु-सन्तों की संगति से पर्याप्त व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया था। वे जूते बनाने का काम किया करते थे औऱ ये उनका व्यवसाय था और उन्होंने अपना काम पूरी लगन तथा परिश्रम से करते थे और समय से काम को पूरा करने पर बहुत ध्यान देते थे। संत रामानन्द के शिष्य किन्तु बनकर उन्होंने आध्यात्मिक ज्ञान अर्जित किय iप्रारम्भ से ही रविदास जी बहुत परोपकारी तथा दयालु थे और दूसरों की सहायता करना उनका स्वभाव बन गया था। मृत्यु 1527.

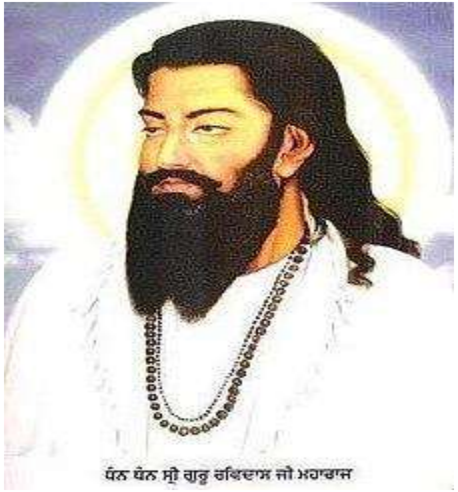

ODM EDUCATIONAL GROUP

पाठ प्रवेश

'ईश्वर महान है और मनुष्य तुच्छ ' । ईश्वर को भक्ति के माध्यम से पाया जा सकता है । भक्ति द्वारा ईश्वर के इतने निकट पहुँचा जा सकता है , जहाँ भक्त और ईश्वर एकाकार हो जाएँ । प्रभु नीच, अछुत और गरीब सभी का उद्घार करते हैं। वे किसी से नहीं डरते, क्योंकि वे सबकुछ संभव करने में समर्थ हैं।

संबंधित प्रश्न -

ईश्वर की महानता का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।
भक्त और ईश्वर का एकाकार होना भक्त की किस भावना को दर्शाता है?
भगवान अमीर - गरीब, ऊँच - नीच सबका उद्धार करने वाले हैं,आशय स्पष्ट कीजिए ।
प्रभु का पर्याय शब्द बताइए ।
विलोम शब्द - संभव , समर्थ |

ODM EDUCATIONAL GROUP

सामान्य उद्देश्य -

ईश्वर एक है और सभी मनुष्य उनके लिए एक समान होते हैं। ठीक उसी प्रकार इस संसार के सभी मनुष्यों की दृष्टि भी एक - सी होनी चाहिए ।

विशिष्ट उद्देश्य

हमें किसी भी धर्म या जाति के आधार पर मनुष्यों के बीच भेदभाव नहीं करना चाहिए ।

ODM EDUCATIONAL GROUP

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP